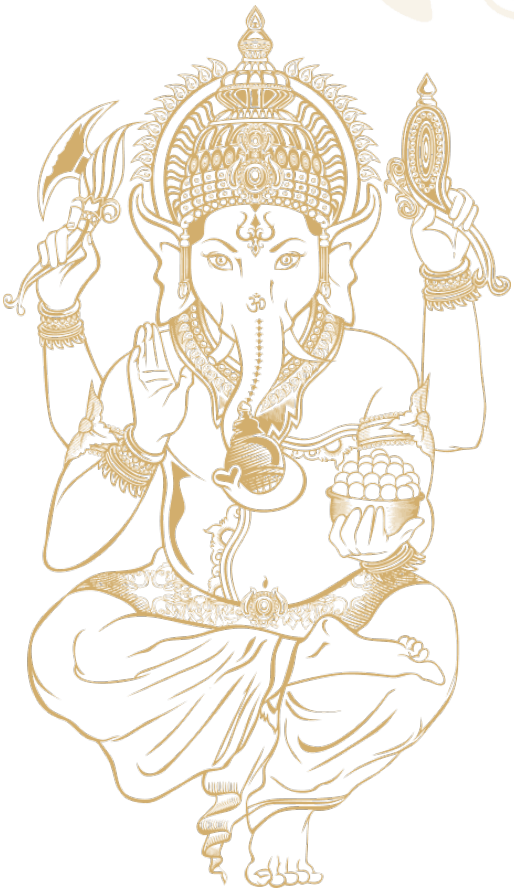

Boy

Girl

Model: Web-M3

SrNo: 101-101-102-9911 / 66

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/03/1987	जन्म तिथि	25/04/1990
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 01:19:49	जन्म समय(घटी)	10:34:00 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:04	सूर्योदय	05:46:24
18:22:55	सूर्यास्त	18:52:26
23:40:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:29

मीन	लग्न	मिथुन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	मेष
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
भरणी	नक्षत्र	अश्विनी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	4
ऐन्द्र	योग	प्रीति
कौलव	करण	किंस्तुघ्न
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 5वर्ष 4मा 13दि		00:15:19	मीन	लग्न	मिथु	16:28:27	केतु 1वर्ष 2मा 17दि	
राहु		20:16:24	कुंभ	सूर्य	मेष	10:59:31	चन्द्र	
18/07/2015		23:05:13	मेष	चंद्र	मेष	11:01:02	13/07/2017	
17/07/2033		14:53:27	मेष	मंगल	कुंभ	09:27:54	13/07/2027	
राहु	30/03/2018	09:35:27	कुंभ व	बुध व	मेष	23:38:02	चन्द्र	13/05/2018
गुरु	23/08/2020	06:52:00	मीन	गुरु	मिथु	12:16:00	मंगल	12/12/2018
शनि	30/06/2023	08:21:49	मक	शुक्र	कुंभ	26:19:14	राहु	12/06/2020
बुध	16/01/2026	26:55:11	वृश्चि	शनि	मक	01:32:09	गुरु	12/10/2021
केतु	03/02/2027	18:06:07	मीन	राहु व	मक	18:56:57	शनि	13/05/2023
शुक्र	03/02/2030	18:06:07	कन्या	केतु व	कर्क	18:56:57	बुध	12/10/2024
सूर्य	29/12/2030	02:43:48	धनु	हर्ष व	धनु	15:48:38	केतु	13/05/2025
चन्द्र	29/06/2032	13:58:12	धनु	नेप व	धनु	20:49:44	शुक्र	11/01/2027
मंगल	17/07/2033	16:09:53	तुला व	प्लूटो व	तुला	23:00:32	सूर्य	13/07/2027

23:40:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:29

लग्न-चलित

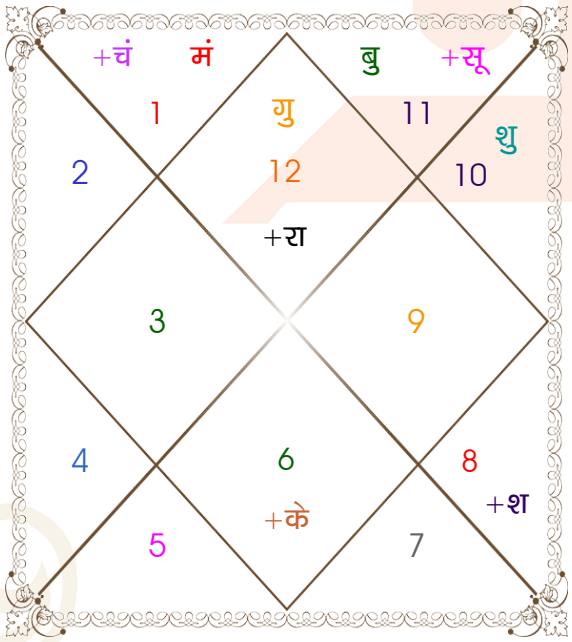

लग्न-चलित

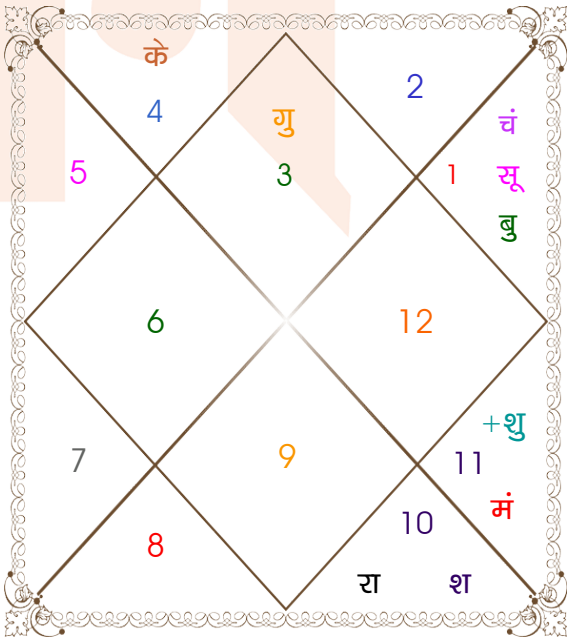

चलित अंश

भाव मध्य		भाव संधि		भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
मीन	00:15:19	कुंभ	15:36:58	1	वृष	29:20:52	मिथु	16:28:27
मेष	00:58:38	मीन	15:36:58	2	मिथु	29:20:52	कर्क	12:13:17
वृष	01:41:56	मेष	16:20:17	3	कर्क	25:05:41	सिंह	07:58:06
मिथु	02:25:14	वृष	17:03:35	4	सिंह	20:50:31	कन्या	03:42:55
कर्क	01:41:56	मिथु	17:03:35	5	कन्या	20:50:31	तुला	07:58:06
सिंह	00:58:38	कर्क	16:20:17	6	तुला	25:05:41	वृश्चि	12:13:17
कन्या	00:15:19	सिंह	15:36:58	7	वृश्चि	29:20:52	धनु	16:28:27
तुला	00:58:38	कन्या	15:36:58	8	धनु	29:20:52	मक	12:13:17
वृश्चि	01:41:56	तुला	16:20:17	9	मक	25:05:41	कुंभ	07:58:06
धनु	02:25:14	वृश्चि	17:03:35	10	कुंभ	20:50:31	मीन	03:42:55
मक	01:41:56	धनु	17:03:35	11	मीन	20:50:31	मेष	07:58:06
कुंभ	00:58:38	मक	16:20:17	12	मेष	25:05:41	वृष	12:13:17

तारा चक्र

पूर्वाषाढ़ा	पू०फाल्गुनी	भरणी	**जन्म**	अश्विनी	मघा	मूल
उत्तराषाढ़ा	उ०फाल्गुनी	कृतिका	**सम्पत**	भरणी	पू०फाल्गुनी	पूर्वाषाढ़ा
श्रवण	हस्त	रोहिणी	**विपत**	कृतिका	उ०फाल्गुनी	उत्तराषाढ़ा
धनिष्ठा	चित्रा	मृगशिरा	**क्षेम**	रोहिणी	हस्त	श्रवण
शतभिषा	स्वाति	आर्द्रा	**प्रत्यारि**	मृगशिरा	चित्रा	धनिष्ठा
पू०भाद्रपद	विशाखा	पुनर्वसु	**साधक**	आर्द्रा	स्वाति	शतभिषा
उ०भाद्रपद	अनुराधा	पुष्य	**वध**	पुनर्वसु	विशाखा	पू०भाद्रपद
रेवती	ज्येष्ठा	आश्लेषा	**मित्र**	पुष्य	अनुराधा	उ०भाद्रपद
अश्विनी	मूल	मघा	**अतिमित्र**	आश्लेषा	ज्येष्ठा	रेवती

चलित कुंडली

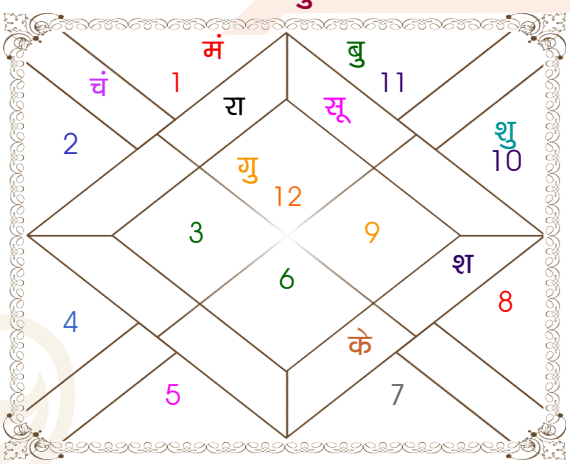

चलित कुंडली

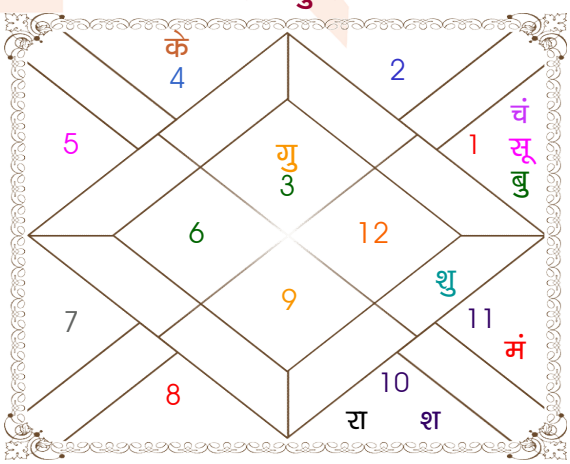

चन्द्र कुंडली

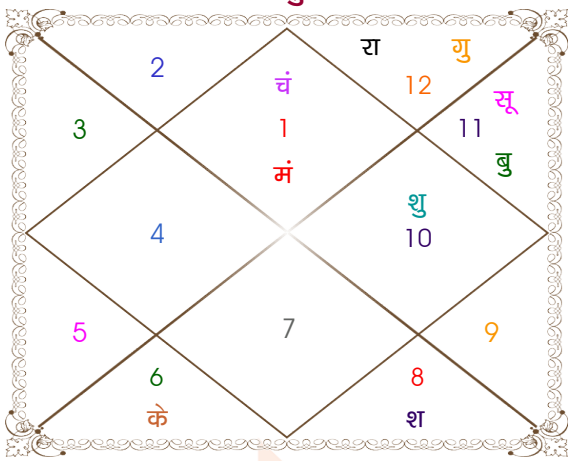

चन्द्र कुंडली

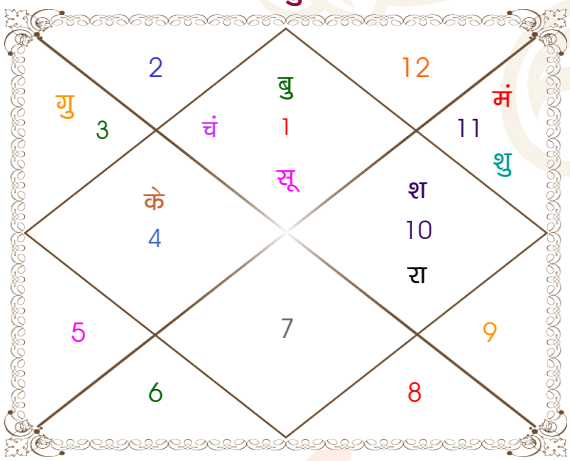

सूर्य कुंडली

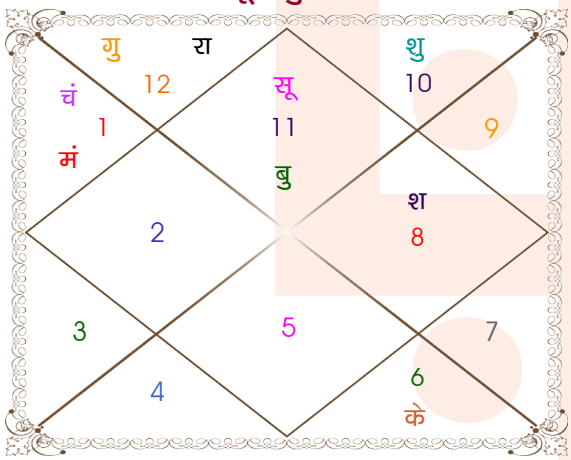

सूर्य कुंडली

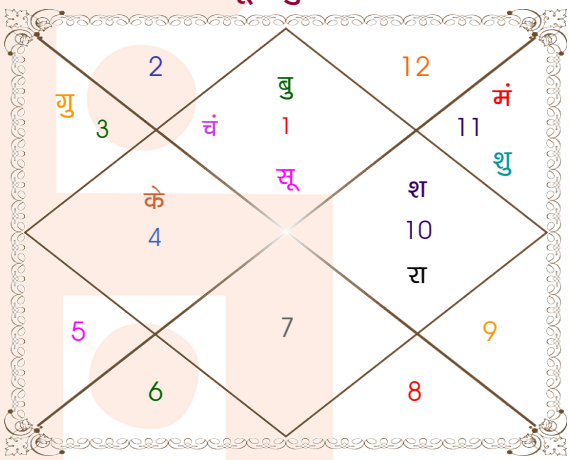

नवमांश कुंडली

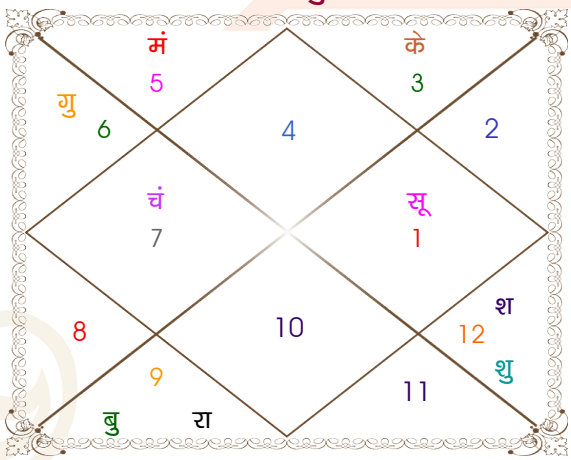

नवमांश कुंडली

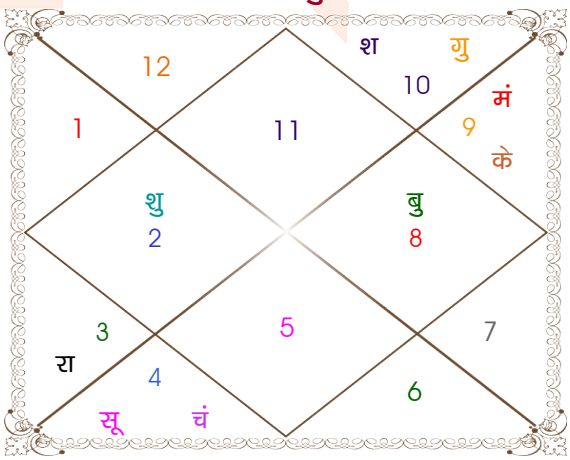

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

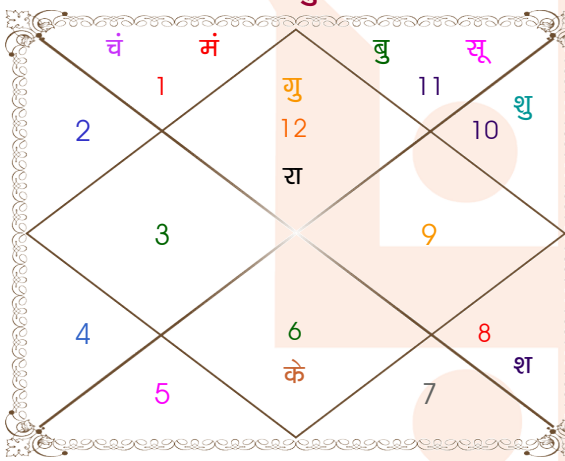

देह विचारः

लग्न कुंडली

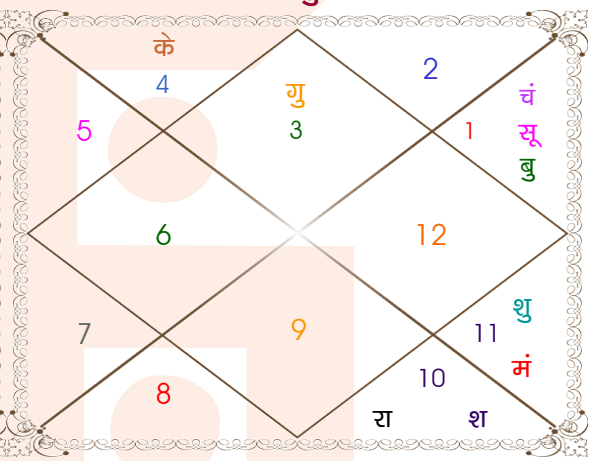

देह विचारः

होरा कुंडली

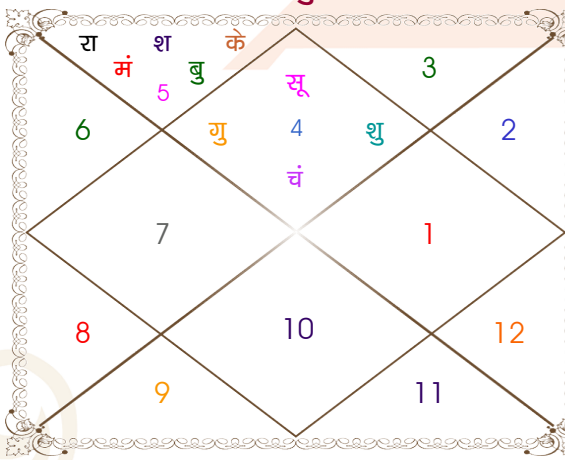

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

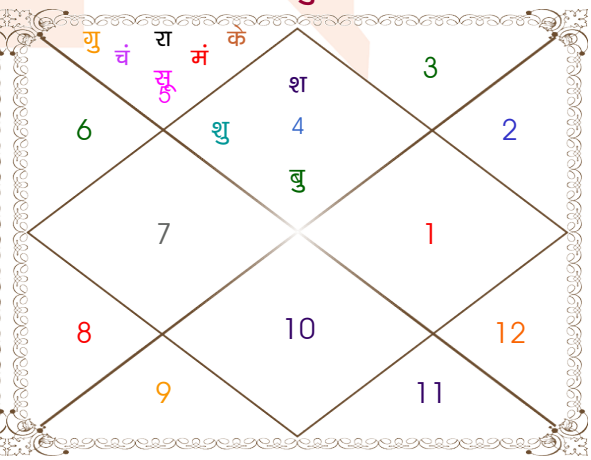

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

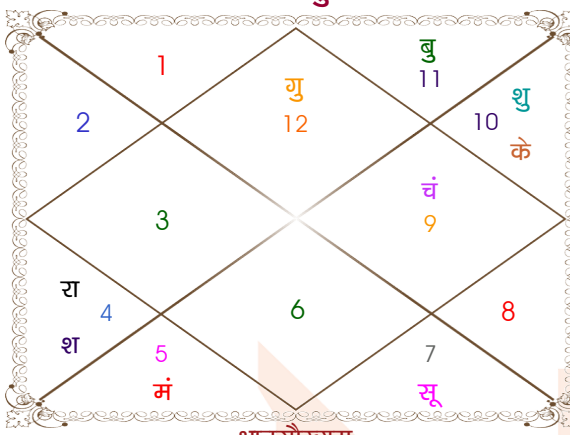

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

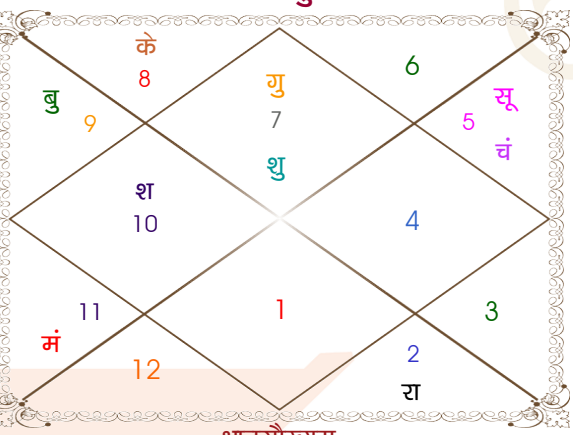

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

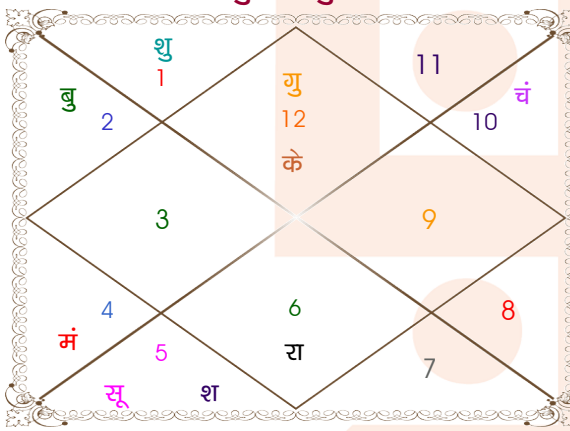

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

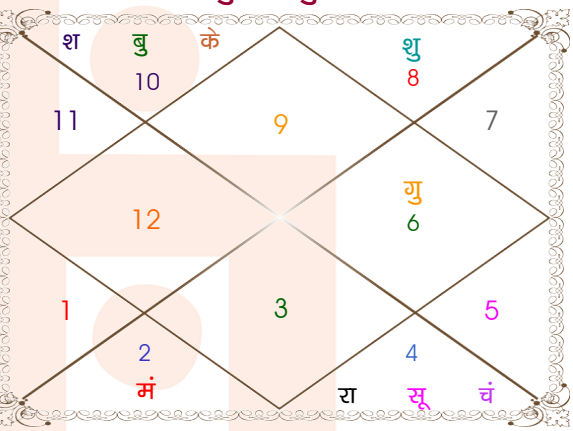

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

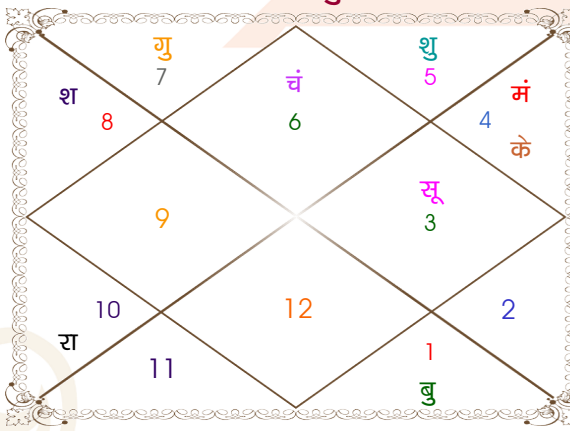

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

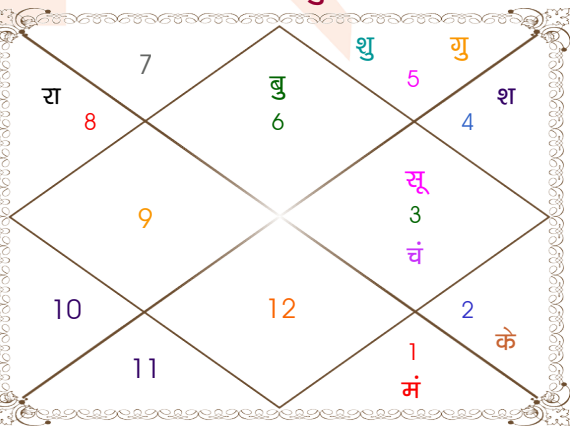

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

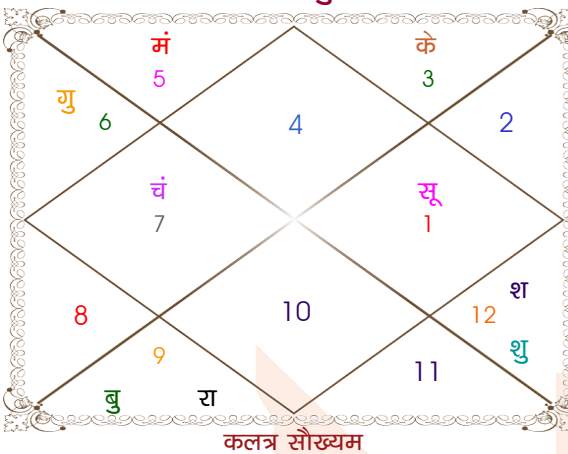

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

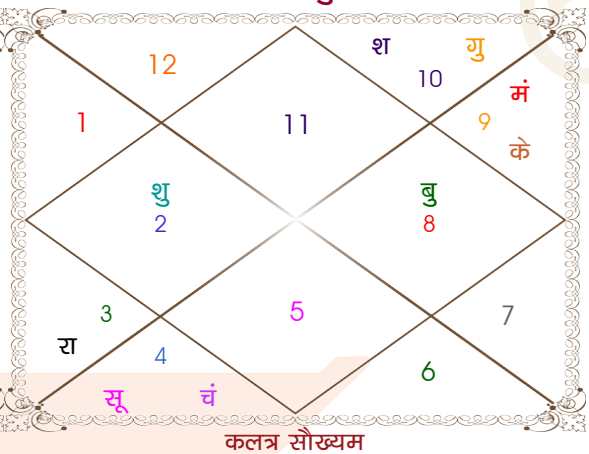

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

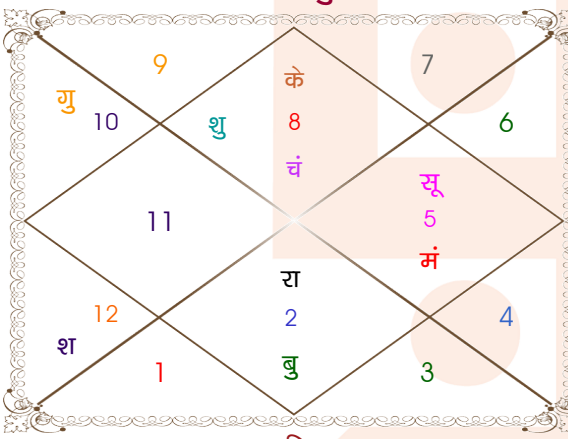

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

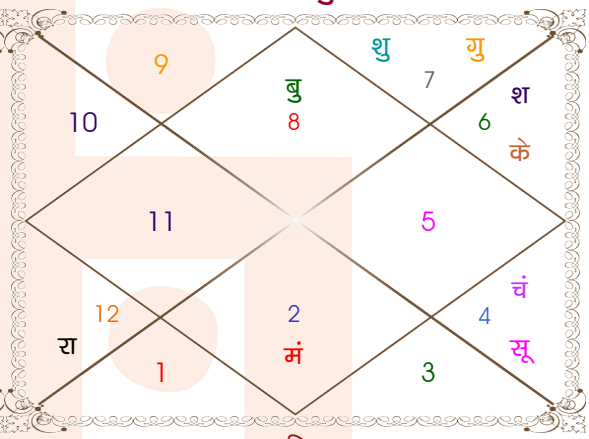

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

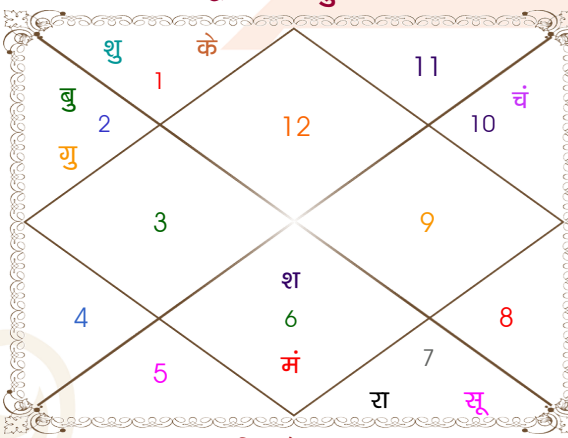

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

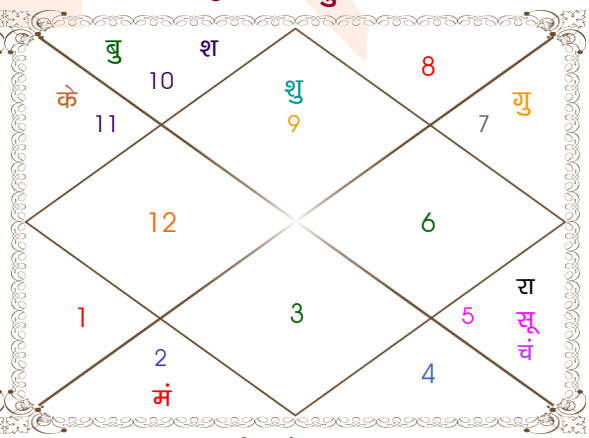

पितृसौख्यम

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

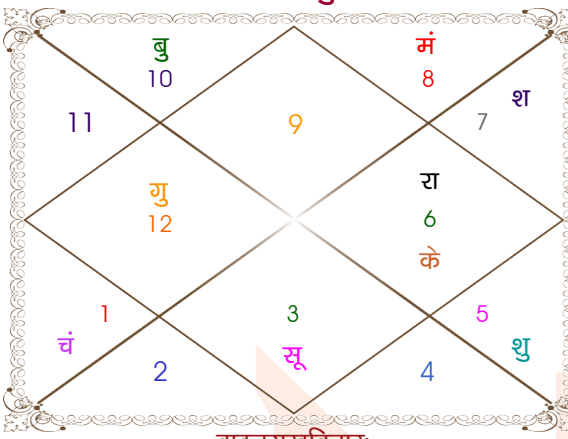

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

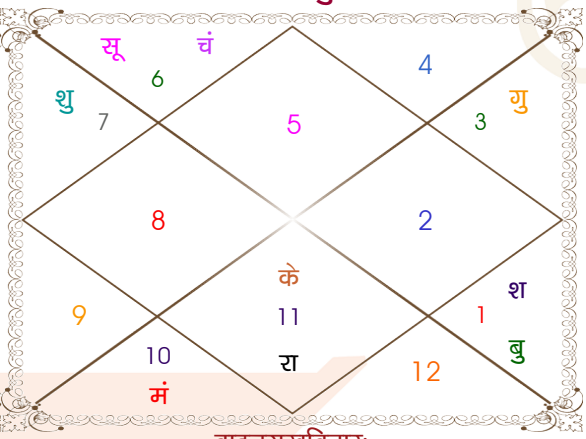

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

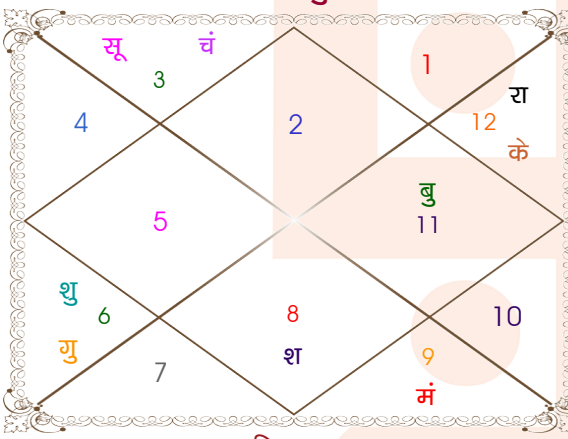

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

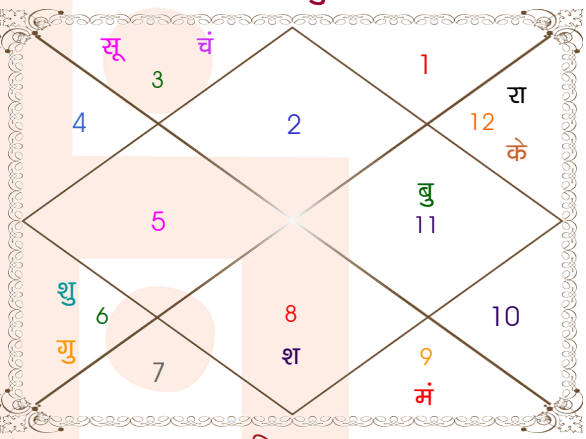

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

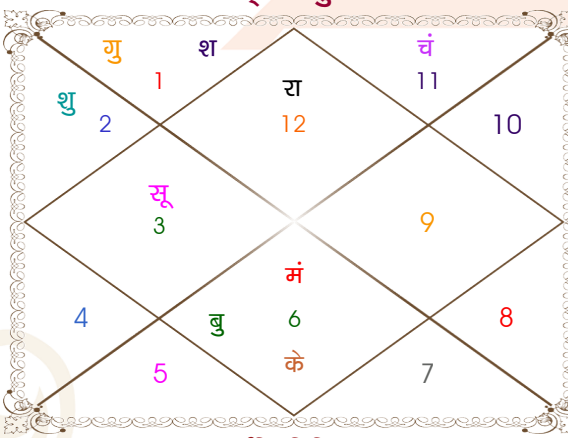

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

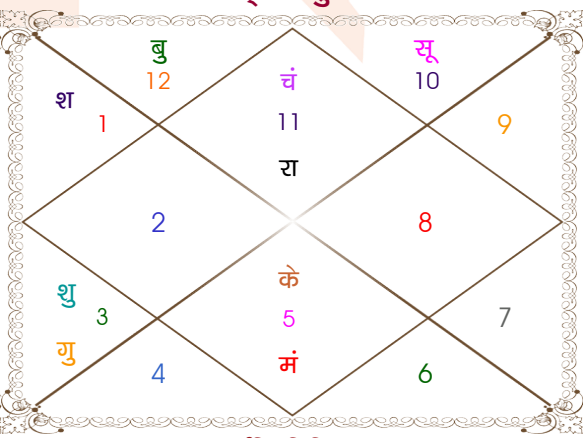

सर्वास्थितिविचारः

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

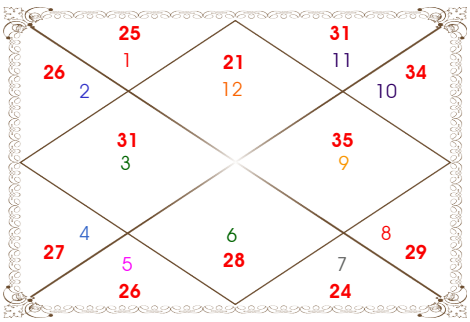

सर्वाष्टकवर्ग

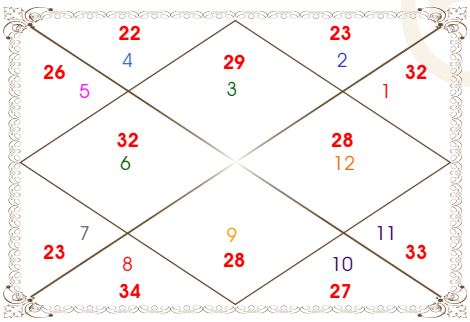

Boy

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	2	4	2	4	5	1	3	4	5	4	4	39
गुरु	5	6	4	3	3	4	7	5	5	4	5	5	56
मंगल	3	3	5	4	4	2	1	4	5	3	4	1	39
सूर्य	2	4	5	5	4	3	3	5	6	5	5	1	48
शुक्र	4	3	5	6	3	4	4	4	5	5	4	5	52
बुध	4	4	4	5	4	3	5	5	5	7	6	2	54
चंद्र	6	4	4	2	4	7	3	3	5	5	3	3	49
बिन्दु	25	26	31	27	26	28	24	29	35	34	31	21	337
रेखा	31	30	25	29	30	28	32	27	21	22	25	35	335

Girl

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	3	4	3	1	3	2	6	3	4	3	3	39
गुरु	4	5	5	5	4	4	4	4	8	3	5	5	56
मंगल	3	2	4	2	5	6	1	4	2	3	4	3	39
सूर्य	4	3	2	3	5	5	4	5	3	5	6	3	48
शुक्र	6	4	4	3	4	4	5	4	4	3	6	5	52
बुध	5	4	3	3	4	7	3	5	4	5	6	5	54
चंद्र	6	2	7	3	3	3	4	6	4	4	3	4	49
बिन्दु	32	23	29	22	26	32	23	34	28	27	33	28	337
रेखा	24	33	27	34	30	24	33	22	28	29	23	28	335

शोध्य पिंड - Boy

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	162	57	144	87	92	46	119
ग्रह पिंड	54	48	52	63	66	37	76
शोध्य पिंड	216	105	196	150	158	83	195

शोध्य पिंड - Girl

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	113	70	124	92	82	65	71
ग्रह पिंड	85	95	95	65	25	60	85
शोध्य पिंड	198	165	219	157	107	125	156

विंशोत्तरी दशा

शुक्र 5 वर्ष 4 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/03/1987		17/07/1992		18/07/1998	
17/07/1992		18/07/1998		17/07/2008	
	00/00/0000	सूर्य	04/11/1992	चंद्र	18/05/1999
	00/00/0000	चंद्र	05/05/1993	मंगल	17/12/1999
	00/00/0000	मंगल	10/09/1993	राहु	17/06/2001
	00/00/0000	राहु	05/08/1994	गुरु	17/10/2002
	00/00/0000	गुरु	24/05/1995	शनि	17/05/2004
	05/03/1987	शनि	05/05/1996	बुध	17/10/2005
शनि	17/07/1988	बुध	11/03/1997	केतु	18/05/2006
बुध	18/05/1991	केतु	17/07/1997	शुक्र	16/01/2008
केतु	17/07/1992	शुक्र	18/07/1998	सूर्य	17/07/2008

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/07/2008		18/07/2015		17/07/2033	
18/07/2015		17/07/2033		17/07/2049	
मंगल	13/12/2008	राहु	30/03/2018	गुरु	04/09/2035
राहु	01/01/2010	गुरु	23/08/2020	शनि	18/03/2038
गुरु	08/12/2010	शनि	30/06/2023	बुध	23/06/2040
शनि	16/01/2012	बुध	16/01/2026	केतु	30/05/2041
बुध	13/01/2013	केतु	03/02/2027	शुक्र	29/01/2044
केतु	11/06/2013	शुक्र	03/02/2030	सूर्य	16/11/2044
शुक्र	11/08/2014	सूर्य	29/12/2030	चंद्र	18/03/2046
सूर्य	17/12/2014	चंद्र	29/06/2032	मंगल	22/02/2047
चंद्र	18/07/2015	मंगल	17/07/2033	राहु	17/07/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/07/2049		17/07/2068		17/07/2085	
17/07/2068		17/07/2085		17/07/2092	
शनि	20/07/2052	बुध	14/12/2070	केतु	13/12/2085
बुध	30/03/2055	केतु	11/12/2071	शुक्र	13/02/2087
केतु	08/05/2056	शुक्र	11/10/2074	सूर्य	20/06/2087
शुक्र	09/07/2059	सूर्य	17/08/2075	चंद्र	19/01/2088
सूर्य	20/06/2060	चंद्र	16/01/2077	मंगल	17/06/2088
चंद्र	19/01/2062	मंगल	13/01/2078	राहु	05/07/2089
मंगल	28/02/2063	राहु	01/08/2080	गुरु	11/06/2090
राहु	04/01/2066	गुरु	07/11/2082	शनि	21/07/2091
गुरु	17/07/2068	शनि	17/07/2085	बुध	17/07/2092

केतु 1 वर्ष 2 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/04/1990		13/07/1991		13/07/2011	
13/07/1991		13/07/2011		13/07/2017	
	00/00/0000	शुक्र	12/11/1994	सूर्य	31/10/2011
	00/00/0000	सूर्य	12/11/1995	चंद्र	30/04/2012
	00/00/0000	चंद्र	13/07/1997	मंगल	05/09/2012
	00/00/0000	मंगल	12/09/1998	राहु	31/07/2013
	00/00/0000	राहु	11/09/2001	गुरु	19/05/2014
	00/00/0000	गुरु	12/05/2004	शनि	01/05/2015
	25/04/1990	शनि	13/07/2007	बुध	06/03/2016
शनि	16/07/1990	बुध	13/05/2010	केतु	12/07/2016
बुध	13/07/1991	केतु	13/07/2011	शुक्र	13/07/2017

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/07/2017		13/07/2027		13/07/2034	
13/07/2027		13/07/2034		12/07/2052	
चंद्र	13/05/2018	मंगल	09/12/2027	राहु	25/03/2037
मंगल	12/12/2018	राहु	27/12/2028	गुरु	19/08/2039
राहु	12/06/2020	गुरु	03/12/2029	शनि	25/06/2042
गुरु	12/10/2021	शनि	11/01/2031	बुध	11/01/2045
शनि	13/05/2023	बुध	09/01/2032	केतु	29/01/2046
बुध	12/10/2024	केतु	06/06/2032	शुक्र	29/01/2049
केतु	13/05/2025	शुक्र	06/08/2033	सूर्य	24/12/2049
शुक्र	11/01/2027	सूर्य	12/12/2033	चंद्र	25/06/2051
सूर्य	13/07/2027	चंद्र	13/07/2034	मंगल	12/07/2052

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
12/07/2052		12/07/2068		13/07/2087	
12/07/2068		13/07/2087		13/07/2104	
गुरु	30/08/2054	शनि	16/07/2071	बुध	09/12/2089
शनि	13/03/2057	बुध	25/03/2074	केतु	06/12/2090
बुध	19/06/2059	केतु	04/05/2075	शुक्र	06/10/2093
केतु	25/05/2060	शुक्र	04/07/2078	सूर्य	12/08/2094
शुक्र	24/01/2063	सूर्य	16/06/2079	चंद्र	12/01/2096
सूर्य	12/11/2063	चंद्र	14/01/2081	मंगल	08/01/2097
चंद्र	13/03/2065	मंगल	23/02/2082	राहु	28/07/2099
मंगल	17/02/2066	राहु	30/12/2084	गुरु	03/11/2101
राहु	12/07/2068	गुरु	13/07/2087	शनि	13/07/2104

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
30/03/2018		23/08/2020		30/06/2023	
23/08/2020		30/06/2023		16/01/2026	
गुरु	25/07/2018	शनि	03/02/2021	बुध	08/11/2023
शनि	11/12/2018	बुध	01/07/2021	केतु	02/01/2024
बुध	14/04/2019	केतु	31/08/2021	शुक्र	05/06/2024
केतु	04/06/2019	शुक्र	20/02/2022	सूर्य	22/07/2024
शुक्र	28/10/2019	सूर्य	13/04/2022	चंद्र	07/10/2024
सूर्य	11/12/2019	चंद्र	09/07/2022	मंगल	01/12/2024
चंद्र	22/02/2020	मंगल	08/09/2022	राहु	19/04/2025
मंगल	13/04/2020	राहु	11/02/2023	गुरु	21/08/2025
राहु	23/08/2020	गुरु	30/06/2023	शनि	16/01/2026

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु	
13/07/2017		13/05/2018		12/12/2018	
13/05/2018		12/12/2018		12/06/2020	
चंद्र	07/08/2017	मंगल	25/05/2018	राहु	04/03/2019
मंगल	25/08/2017	राहु	26/06/2018	गुरु	16/05/2019
राहु	09/10/2017	गुरु	25/07/2018	शनि	11/08/2019
गुरु	19/11/2017	शनि	27/08/2018	बुध	28/10/2019
शनि	06/01/2018	बुध	27/09/2018	केतु	29/11/2019
बुध	18/02/2018	केतु	09/10/2018	शुक्र	28/02/2020
केतु	08/03/2018	शुक्र	14/11/2018	सूर्य	26/03/2020
शुक्र	28/04/2018	सूर्य	24/11/2018	चंद्र	11/05/2020
सूर्य	13/05/2018	चंद्र	12/12/2018	मंगल	12/06/2020

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य	
16/01/2026		03/02/2027		03/02/2030	
03/02/2027		03/02/2030		29/12/2030	
केतु	07/02/2026	शुक्र	05/08/2027	सूर्य	20/02/2030
शुक्र	12/04/2026	सूर्य	29/09/2027	चंद्र	19/03/2030
सूर्य	01/05/2026	चंद्र	29/12/2027	मंगल	07/04/2030
चंद्र	02/06/2026	मंगल	02/03/2028	राहु	26/05/2030
मंगल	25/06/2026	राहु	13/08/2028	गुरु	09/07/2030
राहु	21/08/2026	गुरु	07/01/2029	शनि	30/08/2030
गुरु	11/10/2026	शनि	29/06/2029	बुध	16/10/2030
शनि	11/12/2026	बुध	01/12/2029	केतु	04/11/2030
बुध	03/02/2027	केतु	03/02/2030	शुक्र	29/12/2030

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
12/06/2020		12/10/2021		13/05/2023	
12/10/2021		13/05/2023		12/10/2024	
गुरु	16/08/2020	शनि	11/01/2022	बुध	25/07/2023
शनि	01/11/2020	बुध	03/04/2022	केतु	25/08/2023
बुध	09/01/2021	केतु	07/05/2022	शुक्र	19/11/2023
केतु	06/02/2021	शुक्र	11/08/2022	सूर्य	15/12/2023
शुक्र	28/04/2021	सूर्य	09/09/2022	चंद्र	27/01/2024
सूर्य	23/05/2021	चंद्र	28/10/2022	मंगल	26/02/2024
चंद्र	02/07/2021	मंगल	30/11/2022	राहु	14/05/2024
मंगल	31/07/2021	राहु	25/02/2023	गुरु	22/07/2024
राहु	12/10/2021	गुरु	13/05/2023	शनि	12/10/2024

राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु	
29/12/2030		29/06/2032		17/07/2033	
29/06/2032		17/07/2033		04/09/2035	
चंद्र	13/02/2031	मंगल	21/07/2032	गुरु	29/10/2033
मंगल	16/03/2031	राहु	17/09/2032	शनि	02/03/2034
राहु	07/06/2031	गुरु	07/11/2032	बुध	20/06/2034
गुरु	19/08/2031	शनि	07/01/2033	केतु	04/08/2034
शनि	13/11/2031	बुध	02/03/2033	शुक्र	12/12/2034
बुध	30/01/2032	केतु	24/03/2033	सूर्य	20/01/2035
केतु	02/03/2032	शुक्र	27/05/2033	चंद्र	26/03/2035
शुक्र	01/06/2032	सूर्य	15/06/2033	मंगल	11/05/2035
सूर्य	29/06/2032	चंद्र	17/07/2033	राहु	04/09/2035

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य	
12/10/2024		13/05/2025		11/01/2027	
13/05/2025		11/01/2027		13/07/2027	
केतु	24/10/2024	शुक्र	22/08/2025	सूर्य	21/01/2027
शुक्र	29/11/2024	सूर्य	22/09/2025	चंद्र	05/02/2027
सूर्य	09/12/2024	चंद्र	11/11/2025	मंगल	15/02/2027
चंद्र	27/12/2024	मंगल	17/12/2025	राहु	15/03/2027
मंगल	08/01/2025	राहु	18/03/2026	गुरु	08/04/2027
राहु	09/02/2025	गुरु	07/06/2026	शनि	07/05/2027
गुरु	10/03/2025	शनि	12/09/2026	बुध	02/06/2027
शनि	12/04/2025	बुध	07/12/2026	केतु	13/06/2027
बुध	13/05/2025	केतु	11/01/2027	शुक्र	13/07/2027

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

5	मूलांक	7
6	भाग्यांक	3
3, 5, 9, 6	मित्र अंक	2, 3, 6, 7
2, 4, 8	शत्रु अंक	4, 5, 8
23,32,41,50,59	शुभ वर्ष	25,34,43,52,61
सोम, मंगल, गुरु	शुभ दिन	बुध, शुक्र, शनि
चन्द्र, मंगल, गुरु	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र, शनि
कर्क, धनु	मित्र राशि	कर्क, धनु
मिथुन, वृश्चिक, मकर	मित्र लग्न	कन्या, कुम्भ, मेष
हनुमान	अनुकूल देवता	हनुमान
पुखराज	शुभ रत्न	पन्ना
सुनहला, पीला हकीक	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
मूंगा	भाग्य रत्न	नीलम
कांसा	शुभ धातु	कांसा
पीत	शुभ रंग	हरित
पूर्वोत्तर	शुभ दिशा	उत्तर
संध्या	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
दाल चना	दान अन्न	मूँग
घी	दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Boy

जीवन रत्नः	पुखराज	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति
भाग्य रत्नः	मूंगा	धन, भाग्योदय
कारक रत्नः	मोती	धन, सन्तति सुख
शुभ उपरत्नः	गोमेद	स्वास्थ्य

Girl

जीवन रत्नः	पन्ना	धनार्जन, स्वास्थ्य, सुख
भाग्य रत्नः	नीलम	दुर्घटना से बचाव, भाग्योदय
कारक रत्नः	हीरा	भाग्योदय, कम खर्च, सन्तति सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	04/03/1987-16/12/1987
साढेसाती प्रथम ढैया	10/08/1995-16/04/1998
साढेसाती द्वितीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती तृतीय ढैया	05/06/2000-22/07/2002
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/09/2004-01/11/2006

द्वितीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-19/01/2017
साढेसाती प्रथम ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढेसाती द्वितीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती तृतीय ढैया	11/04/2030-25/05/2032
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/07/2034-20/08/2036

तृतीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/12/2043-29/11/2046
साढेसाती प्रथम ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढेसाती द्वितीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती तृतीय ढैया	22/05/2059-05/07/2061
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/02/2064-03/10/2065

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	बदनामी
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	पराक्रम
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	अशुभ	सन्तति कष्ट

प्रथम चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	10/08/1995-16/04/1998
साढेसाती द्वितीय ढैया	16/04/1998-05/06/2000
साढेसाती तृतीय ढैया	05/06/2000-22/07/2002
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/09/2004-01/11/2006
अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-19/01/2017

द्वितीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	24/03/2025-26/10/2027
साढेसाती द्वितीय ढैया	26/10/2027-11/04/2030
साढेसाती तृतीय ढैया	11/04/2030-25/05/2032
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/07/2034-20/08/2036
अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/12/2043-29/11/2046

तृतीय चक्र:

साढेसाती प्रथम ढैया	09/09/2054-01/04/2057
साढेसाती द्वितीय ढैया	01/04/2057-22/05/2059
साढेसाती तृतीय ढैया	22/05/2059-05/07/2061
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/02/2064-03/10/2065
अष्टम स्थानस्थ ढैया	20/04/2073-04/08/2076

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	व्यावसाय
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	अल्प बचत
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	कम खर्च
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	अशुभ	धन
अष्टम स्थानस्थ ढैया	अशुभ	शत्रु से कष्ट

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Boy

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Girl

आपकी जन्मकुण्डली में कर्कोटक नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्य मान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। फलस्वरूप जातक को भाग्योदय होने में आंशिक रूप से व्यवधान उपस्थित हो जाता है। नौकरी में थोड़ा बहुत रुकावट आती है या कभी पदावनति होने का भय होता है। प्रायः जातक को पैतृक सम्पत्ति का मनोवांछित लाभ नहीं मिलता है। व्यापारादि कार्यों में थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है और विशेष परिश्रम करने के बावजूद भी उसका सही फल प्राप्त नहीं होता है। कामों में स्थिरता प्रायः नहीं आ पाती।

इस योग के प्रभाव से जातक अपने मित्रों के द्वारा कभी थोड़ा बहुत छले जाते हैं। जिस कारण जातक को नुकसान उठाना पड़ता है। कभी जातक के शरीर में रोग व्याधि ग्रसित कर लेती है तथा आंशिक रूप में मानसिक परेशानी घेरे रहती है। जातक को कुटुम्ब से अपयश मिलता है एवं आत्मीय परिजनों से सम्मान नहीं मिलता है।

इस योग के कारण जातक को अपनी वाणी पर नियन्त्रण नहीं रहता एवं वाणी कभी-कभी दूषित हो जाती है। परिणामस्वरूप जातक का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। बात-बात पर लड़ाई-झगड़े करने को भी तैयार हो जाता है और जातक को आंशिक रूप से आर्थिक नुकसान होता है तथा उधार में दिया हुआ पैसा प्रायः डूब ही जाता है। जातक को कभी शस्त्राघात का भय होता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं। वे षड्यन्त्र रचते रहते हैं, परन्तु अपने षड्यन्त्र में वे कभी सफल नहीं होते। जातक को अकाल मृत्यु का भय बना रहता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।

5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

कुल : **33 / 36**

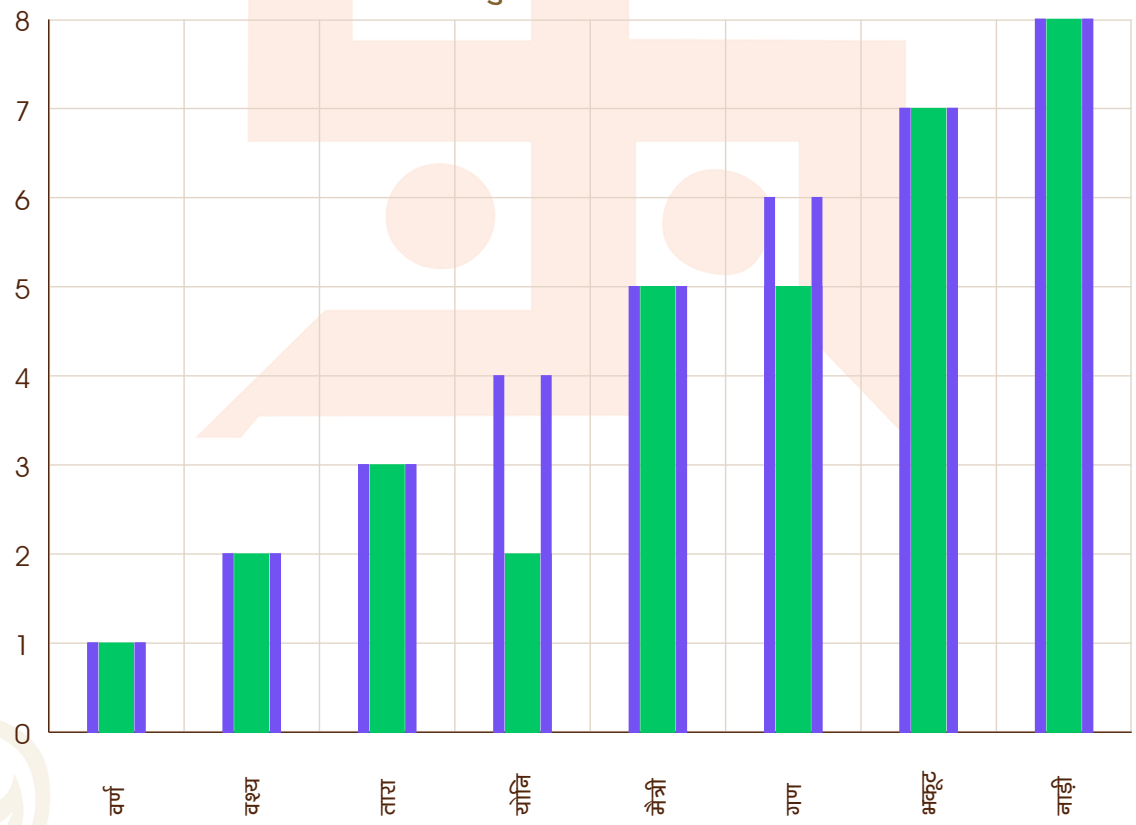

अष्टकूट मिलान

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Boy का वर्ग मृग है तथा Girl का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Boy और Girl का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Boy मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Girl मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Boy तथा Girl में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Boy तथा Girl दोनों की मेष राशि है। यह राशि अग्नि तत्व से युक्त है। अतः दोनों की एक ही राशि होने के कारण शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर यह मिलान उत्तम रहेगा तथा जीवन में एक आदर्श दम्पति के रूप में सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करने में ये समर्थ रहेंगे। इनके आपसी सम्बन्धों में भी मधुरता बनी रहेगी।

आप दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप दोनों के मध्य मित्रता एवं परस्पर सामंजस्य का भाव नित्य बना रहेगा। इसके प्रभाव से आप तेजस्वी उत्साही एवं स्वतंत्र प्रवृति के होंगे तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए अपने जीवन को व्यतीत करेंगे। जिससे पारिवारिक आप आवश्यक सुखोपभोग की सामग्री एवं उपकरणों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे।

Boy और Girl दोनों का वश्य चतुष्पद है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा आपस में किसी भी प्रकार के सैद्धान्तिक मतभेदों की न्यूनता रहेगी जिससे इनका दाम्पत्य जीवन शांतिपूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही दोनों का परस्पर आत्मिक स्नेह एवं प्रेम का भाव रहेगा तथा सांसारिक सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर आकर्षण आसक्ति एवं सम्मिलन का भाव नित्य बना रहेगा।

आप दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमताएं समान होंगी। अतः आपस में न्यूनाधिक का भाव नहीं रहेगा। साथ ही दोनों सक्रिय प्रकृति के होंगे तथा किसी भी कार्य को उत्साह पराक्रम एवं परिश्रम पूर्वक करने में समर्थ रहेंगे तथा साहस पूर्वक जीवन में समस्याओं का सामना तथा समाधान करने में समर्थ रहेंगे। अतः अपने आत्मविश्वास एवं परिश्रम से आप सुखी जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

धन

Boy की तारा सम्पत तथा Girl की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Boy सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Girl के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Boy और Girl को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Girl का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Boy की नाड़ी मध्य तथा Girl की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Boy और Girl का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Boy और Girl के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Girl के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Girl को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Girl को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Boy और Girl सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Boy और Girl का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Girl के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Girl भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Girl भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Girl को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Boy की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Boy सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Boy ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Boy के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

अंक ज्योतिष फल

Boy

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

Girl

आपका जन्म दिनांक 25 है। दो और पाँच के योग से 7 आपका मूलांक होता है। मूलांक 7 का स्वामी भारतीय ज्योतिष में केतु को तथा पाश्चात्य विद्वानों ने नेपच्यून को माना है। अंक दो का स्वामी चन्द्र तथा अंक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। आपके जीवन पर इन तीनों ग्रहों का संयुक्त प्रभाव अंक ज्योतिषानुसार आयेगा।

मूलांक सात के प्रभाव से कल्पना शक्ति आपके अन्दर उच्चकोटि की रहेगी। आपकी रुचियों में गीत संगीत गद्य-पद्य, नाच-गान, ललित कलाएं, साहित्य, लेखन इत्यादि रहेगा। धनसंग्रह की ओर आप विशेष ध्यान नहीं देंगी। इससे कई बार आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। घूमना-फिरना, दूरस्थ देशों की यात्रा करना आपको आनन्दित करेगा।

आपकी विचारधारा परिवर्तन शील, आधुनिक होगी एवं प्राचीन रीति-रिवाजों की आप विशेष परवाह नहीं करेंगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपमें अच्छा होने से आप सामने वाले व्यक्ति के मनोभावों को बड़ी आसानी से समझ जाया करेंगी। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने का गुण आपमें अच्छा रहेगा। यात्राएं आपके लिए लाभप्रद रहेंगी एवं ऐसा क्षेत्र जिसमें यात्राएं अधिक रहती हों आपके लिये भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

देश-विदेश, भूमि- वाहन आपको विशेष लाभ देंगे। अंक दो चन्द्र का ऋणात्मक अंक होने से आपके अन्दर आशंका, असफलता के अवगुण आयेंगे। आपका जीवन चक्र ऊँचाईयों-निचाईयों से ओत-प्रोत रहेगा। अंक पांच के प्रभाव से आप एक बौद्धिक स्तर की महिला होंगी तथा शारीरिक श्रम की अपेक्षा बौद्धिक स्तर के कार्य करना अधिक पसन्द करेंगी। आपका भाग्योदय जन्म स्थान से अन्यत्र होगा।

Boy

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Girl

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

लग्न फल

Boy

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव

आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।

Girl

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप

अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला

हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।

Boy

आपके जन्म समय में लग्न में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। सामान्यतया मीन लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा सरलता एवं समानता का इनको प्रतीक माना जाता है। इनके मुख मंडल पर सौम्यता की छाप हमेशा विद्यमान रहती है। ये विद्वान एवं बुद्धिमान होते हैं तथा नवीन विचारों का सृजन करने में समर्थ रहते हैं। इनके विचारों से सामाजिक लोग प्रभावित तथा आकर्षित रहते हैं। भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने की इनकी प्रबल इच्छा रहती है तथा इससे इन्हें प्रसन्नता की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य से ये युक्त रहते हैं एवं विभिन्न स्रोतों से धनार्जन करने आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहते हैं। साथ ही चिन्तन एवं मननशीलता का भाव भी इनमें रहता है।

प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन करके इनको शांति एवं सन्तुष्टि की प्राप्ति होती है। प्रेम के क्षेत्र में ये सरल एवं भावुक रहते हैं परन्तु व्यवहार कुशल होते हैं। अतः सांसारिक कार्यों में उचित सफलता अर्जित करके अपने उन्नति मार्ग प्रशस्त करने में सफल रहते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्तुओं के उत्पादन आदि में इनकी रूचि रहती है तथा इस क्षेत्र में इनका प्रमुख योगदान रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं बलवान रहेंगे तथा व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे अन्य जन आपसे प्रभावित होंगे। आपकी बुद्धि अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी अतः विभिन्न शास्त्रीय विषयों का ज्ञानार्जन करके आप एक विद्वान के रूप में समाज में अपनी प्रतिष्ठा एवं आदर बढ़ाने में समर्थ होंगे। एक विचारक के रूप में भी आप सम्मानीय होंगे। यद्यपि ब्रहमादि के विषय में चिन्तनशील रहेंगे परन्तु भौतिकता के प्रति भी आकर्षण रहेगा।

लग्न में बृहस्पति के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी शांति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। आपका स्वरूप दर्शनीय एवं व्यक्तित्व आकर्षक होगा फलतः अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे। लेखन के प्रति आपकी रूचि होगी तथा इस क्षेत्र में आप आदर एवं प्रतिष्ठा भी अर्जित कर सकते हैं। अभिमान के भाव की आप में अल्पता होगी तथा सबके साथ विनम्रता का व्यवहार करेंगे। आप सरकार या समाज में सम्मान प्राप्त करने में सफल होंगे। आप में दयालुता का भाव भी विद्यमान होगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों की सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त साहित्य एवं कला के प्रति भी आपकी अभिरूचि रहेगी।

पिता के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव होगा तथा उनकी सेवा करने में तत्पर होंगे। बाल्यावस्था में आपको संघर्ष करना पड़ेगा परन्तु युवावस्था के बाद आप सुखैश्वर्य एवं धन वैभव तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख एवं शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे। पुत्र संतति से आप युक्त रहेंगे तथा इनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा होगी तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगे। इससे आपको आत्मिक शांति की प्राप्ति होगी। साथ ही बन्धु एवं मित्र वर्ग में भी आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। इस प्रकार आप धनैश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

Girl

आपके जन्म समय में लग्न में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। मिथुन लग्न में उत्पन्न जातक सामान्यतया विनम्र उदार एवं हास्य प्रवृति के व्यक्ति होते हैं तथा बुद्धिमता का भाव उनके मुख पर स्पष्ट परिलक्षित होता है। वे स्वाभिमानी होते हैं तथा जीवन में स्वपराक्रम बुद्धि एवं योग्यता से वांछित उन्नति करके समस्त भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करते हैं तथा सुख पूर्वक उनका उपभोग करते हैं। उनके सभी कार्य सोचसमझकर सम्पन्न होते हैं तथा सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से उनके सम्पर्क बने रहते हैं। साहित्य संगीत एवं कला के प्रति इनकी रूचि रहती हैं तथा नवीन सिद्धांतों या मूल्यों का प्रतिपादन करने में समर्थ होते हैं। इसके अतिरिक्त गणित लेखन या संपादन के क्षेत्र में ये सफल रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आप बुद्धिमता का परिचय देंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश अर्जित करेंगी। साथ ही जीवन में स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी।

मित्रों के प्रति आपके मन में निष्ठा रहेगी। सरकारी कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान प्रदान करेंगी। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जन आपसे प्रभावित होंगे। साहित्य एवं संगीत में आप परिश्रम पूर्वक मान प्रतिष्ठा भी अर्जित करने में समर्थ हो सकेंगे तथा गणित या लेखन आदि में भी आपकी अभिरूचि होगी।

लग्न में बृहस्पति के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगी। आप एक विदुषी महिला होंगी तथा अपने विषय पर आपका पूर्ण आधिपत्य होगा जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होगी अपने सभी कार्य कलापों को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करेंगी। आप एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा समयानुसार परिवर्तन करके अवसर का लाभ उठाने में तत्पर होंगी। आप में उदारता, परोपकार तथा विनम्रता का भाव भी विद्यमान होगा।

जीवन में इच्छित धनैश्वर्य अर्जित करने में आप सफल होंगी तथा अन्य भौतिक सुखों की भी समय समय पर प्राप्ति होती रहेगी जिसका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। आपके कुंडली में अचानक धन प्राप्ति के योग भी बनते हैं जिससे समय समय पर आपको लाभ होता रहेगा। लेखन या विज्ञान के क्षेत्र में भी आप इच्छित प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि अर्जित कर सकती हैं।

आप एक आस्तिक महिला होंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी एवं समय समय पर धार्मिक कलापों को सम्पन्न करेंगी। पिता के प्रति भी आपके पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। अपने परिवार की आप उन्नति करेंगी तथा पिता के नाम से आपको प्रसिद्धि प्राप्त होगी। आप सुशील महिला होंगी तथा नैतिकता के अनुपालन में तत्पर रहेंगी।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Boy

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप भावनात्मक रूप से परिवार से जुड़े रहेंगे तथा उनके प्रति पूर्ण चिन्तित रहेंगे। साथ ही उनकी खुशहाली एवं प्रसन्नता के लिए यत्नपूर्वक संसाधनों को अर्जित करेंगे परन्तु यदाकदा अपनी कोई व्यक्तिगत इच्छा को आप पारिवारिक सुख से श्रेष्ठ समझेंगे तथा पहले अपनी ही इच्छा को पूर्ण करेंगे। घर की सुन्दरता एवं आकर्षण के प्रति आप हमेशा सजग रहेंगे तथा यत्न पूर्वक घर का आकर्षक रूप बनाए रखने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा आपके मित्र भी गुणवान तथा शिक्षित होंगे।

विभिन्न प्रकार के स्वादों का आस्वादन करने के आप इच्छुक रहेंगे। साथ ही मिष्ठान एवं नमकीन के प्रति विशेष रूचि रहेगी। सामान्यतया आप सुन्दर एवं सुस्वादु एवं पौष्टिक भोजन ही करेंगे। धन के प्रति आपके मन में लालसा रहेगी तथा परिश्रम एवं यत्नपूर्वक धनार्जन करते रहेंगे। साथ ही कीमती आभूषणों या धातुओं को भी प्राप्त कर सकते हैं। आपकी वाणी भी ओजास्विता के भाव से युक्त रहेगी लेकिन यदा कदा मधुरता की न्यूनता होगी। आप घर में समय समय पर धार्मिक कार्य कलाप या अन्य प्रकार के उत्सवों का आयोजन करते रहेंगे। साथ ही आप किसी उत्सव के आयोजन को हाथ से नहीं जाने देंगे तथा अवश्य उसमें भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त नीति के आप ज्ञाता होंगे तथा घर वाहन तथा पुत्रों से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Girl

आपकी जन्म कुंडली में द्वितीय में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृति की होंगी तथा यदा कदा अधिक वार्तालाप भी करेंगी। समाज में आप एक सम्मानीया महिला रहेंगी तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं मधुर रहेगी जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेंगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे ।

पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेगी तथा परिवार की शान्ति तथा खुशहाली के लिए नित्य प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होती रहेगी। आप सामान्यतया सुन्दर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रूचिशील रहेंगी लेकिन मिष्ठान आपका विशेष प्रिय रहेगा परन्तु इसके अधिक उपयोग से आपको कोई शारीरिक परेशानी भी हो सकती है अतः इसका अधिक मात्रा में उपयोग कम ही करें। परिवार में आप समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करती रहेंगी। आप अपने विचारों की पुष्टि के लिए हमेशा ठोस तर्को को प्रस्तुत करेंगी जिससे लोग

आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे। पुत्रों का आपके प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा आपकी सेवा तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगी।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Boy

आपके जन्म समय में चतुर्थभाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी तथा आधुनिक एवं भौतिक उपकरणों से भी युक्त रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आप एक वैभव तथा ऐश्वर्य शाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में आपका उच्च स्तर बना रहेगा।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को प्राप्त करेंगे। आपको किसी श्रेष्ठ एवं वृद्ध व्यक्ति की भी चल अथवा अचल सम्पत्ति मिलेगी। इससे आपके ऐश्वर्य एवं वैभव में वृद्धि होगी तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। आप अपनी योग्यता एवं बुद्धिमता से भी धन एवं सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त आपको अचल की अपेक्षा चल सम्पत्ति से विशेष लाभ होगा। अतः वांछित लाभ अर्जित करने के लिए आप चल सम्पत्ति पर निवेश कर सकते हैं।

जीवन में आपको उत्तम आवास की प्राप्ति होगी। आपका घर विशाल, सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से परिपूर्ण होगा। यह भौतिक उपकरणों से भी सुसज्जित रहेगा। घर की सुन्दरता का आप विशेष ध्यान रखेंगे तथा अन्य जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसियों से संबंधों में मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तमवाहन से भी आप युक्त होंगे तथा सुखपूर्वक इसका उपभोग करेंगे।

आपकी माताजी सुन्दर, सुशील, बुद्धिमान एवं शिक्षित महिला होंगी तथा उनका स्वभाव भी सरल होगा। कर्तव्यपरायणता का भाव भी उनमें विद्यमान होगा तथा अपनी व्यवहार कुशलता से वे परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि करेंगी। सभी पारिवारिक जन उनको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करेंगी। आपकी चहुंमुखी उन्नति में उनका प्रमुख योगदान होगा। आप भी उनके प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रखेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार आप एक दूसरे के पूर्ण शुभचिन्तक होंगे तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी पूर्ण रूचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक प्राप्त करके सफलताएं अर्जित करेंगे। आप स्नातक परीक्षा अच्छे अंको से उतीर्ण करेंगे। इससे आपके उज्ज्वल भविष्य के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा मन में आत्मविश्वास के भाव में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में उच्चशिक्षा या डिग्री भी अर्जित कर सकते है।

Girl

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप समस्त भौतिक सुखसंसाधनों एवं उपकरणों से युक्त रहेंगी तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। बुध के प्रभाव से आप में बुद्धिमता एवं व्यावहारिकता के भाव की प्रधानता होगी फलतः अपने इन्हीं गुणों से जीवन में ऐश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति करेंगी तथा समाज में आपका सम्माननीय स्तर रहेगा।

आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा जीवन में चल एवं अचल संपत्ति को अवश्य प्राप्त करेंगी। संबंधीवर्ग से भी आपको न्यूनाधिक मात्रा में चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आप स्वयं एक बुद्धिमान एवं योग्य महिला होंगी तथा अपने इन ही गुणों से भी वांछित मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करके अपने ऐश्वर्य एवं समृद्धि में वृद्धि करेंगी।

जीवन में आपको उत्तम गृह की प्राप्ति होगी तथा आपका घर समस्त आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होगा। घर की सफाई के प्रति आप पूर्ण रूपेण तत्पर होंगी तथा अन्य पारिवारिक जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा उनसे संबंधो में पर्याप्त मधुरता होगी। इसके अतिरिक्त युवावस्था में ही आपको उत्तम वाहन की प्राप्ति होगी तथा जीवन में विभिन्न प्रकार से आप वाहन सुख अर्जित करने में समर्थ होंगी।

आपकी माता बुद्धिमान शिक्षित एवं आदर्शवादी महिला होंगी तथा अपनी बुद्धिमता एवं व्यावहारिकता से सभी पारिवारिक जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखेंगी। सभी लोग उनका सम्मान एवं आज्ञा का पालन करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट स्नेह एवं वात्सल्य की भावना होगी तथा अवसरानुकूल आपको आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आपका भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा। एवं सुख-दुख में उन्हें पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करेंगी जिससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी।

आप प्रारंभ से ही बुद्धिमान महिला होंगी तथा अध्ययन के प्रति आपकी पूर्ण रूचि होगी एवं प्रारंभिक कक्षाओं से ही अच्छे अंक अर्जित करेंगी। अतः स्नातक परीक्षा आप अच्छे अंकों से उतीर्ण करेंगी तथा अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इससे आपके आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा अन्य संबंधियों एवं मित्रों से उचित सम्मान एवं प्रोत्साहन मिलेगा जिससे कार्य क्षेत्र में आप आशातीत उन्नति प्राप्त करेंगी।

Boy

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है अतः इसके शुभ प्रभाव से आप तीव्र एवं निर्मल बुद्धि के स्वामी होंगे तथा आपके कार्य कलापों पर स्पष्ट रूप से बुद्धिमता की छाप विद्यमान होगी जिससे अन्य सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे। आप में शीघ्र एवं सटीक निर्णय लेने की शक्ति भी विद्यमान होगी जिससे आप समय समय पर लाभान्वित होते रहेंगे। आप कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान भी अपनी तीव्र बुद्धि से शीघ्र ही करने में समर्थ होंगे। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्मशास्त्र में आपकी पूर्ण रूचि होगी तथा इनका अध्ययन करके ज्ञानार्जन में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त आधुनिक विज्ञान राजनीति, गणित एवं ज्योतिष शास्त्र के भी आप ज्ञाता होंगे जिससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

पंचम भाव में कर्क राशि के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में आपकी रूचि होगी परन्तु आपका प्रेम उच्चादर्शो से युक्त होगा तथा उसमें मर्यादा, नैतिकता एवं यर्थाथवादी भाव विद्यमान होगा। इसमें भावनात्मक आकर्षण की भी प्रबलता होगी। अतः आपके प्रेम-प्रसंग की परिणिति विवाह के रूप में भी हो सकती है। इससे आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा पुत्रों की संख्या अधिक होगी। आपकी संतति बुद्धिमान, गुणवान, प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करके सम्मान जनक स्तर प्राप्त करने में समर्थ होंगे। माता-पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथा उनकी आज्ञा का पालन करना वे अपना परम कर्तव्य समझेंगे। वे माता-पिता की सलाह एवं सहयोग से ही शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इससे परस्पर सदभाव एवं विश्वास की भावना बनी रहेगी। माता की अपेक्षा पिता के प्रति बच्चों के मन में विशिष्ट लगाव होगा तथा उनके माध्यम से ही वे अपनी समस्याओं का समाधान करेंगे। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में तन-मन-धन से माता-पिता की सेवा करेंगे तथा उन्हें अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे इससे आपको बच्चों पर गर्व की अनुभूति होगी।

विद्याध्ययन के क्षेत्र में आपकी संतति बुद्धिमान एवं प्रतिभाशाली होगी तथा प्रारंभ से ही शिक्षा के क्षेत्र में वे विशिष्ट उपलब्धियों को अर्जित करेंगे। आप भी उनकी शिक्षा-दिक्षा का उच्च स्तर पर प्रबन्ध करेंगे तथा आधुनिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करेंगे। फलतः बच्चे योग्य बनकर आपकी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त वे सुन्दर, स्वस्थ एवं आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा अपनी व्यवहार कुशलता एवं कार्य-कलापों से अन्य सामाजिक जनो को प्रभावित करके उनसे स्नेह तथा सम्मान अर्जित करेंगे। इस प्रकार आपको जीवन में संतति का वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

Girl

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में तुला राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आप तीव्र बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमत्ता से सम्पन्न करेंगीं। इससे अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे साथ ही कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान आप अपनी बुद्धि से करने में समर्थ होंगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्मशास्त्र में भी आपकी रुचि होगी तथा इन ग्रंथों का अध्ययन करके वांछित मात्रा में ज्ञान अर्जित करेंगी। बुध के प्रभाव से साहित्य या कविता लेखन, गणित एवं ज्यौतिष शास्त्र का ज्ञान भी आपको होगा तथा इस क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि भी अर्जित कर सकती हैं जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा एक विदुषी के रूप में आपकी प्रतिष्ठा होगी ।

शुक्र की राशि की पंचमभाव में प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी परंतु आपका प्रेम आदर्शवाद एवं मर्यादा की सीमा में होगा तथा इसको आप केवल मनोरंजन या समय व्यतीत करने का समाधान नहीं मानेगे। अतः आपका प्रेम प्रसंग विवाह के रूप में भी परिवर्तित हो सकता है जिससे आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

जीवन में आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा संतति में कन्याओं की संख्या पुत्र से अधिक होगी लेकिन सभी बच्चे बुद्धिमान एवं गुणवान होंगे तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से जीवन में उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर होंगे। माता पिता के वे आज्ञाकारी होंगे तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को माता पिता की सलाह से ही सम्पन्न करेंगे जिससे परस्पर सद्भाव बना रहेगा। पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनमें विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्या का समाधान माता से ही करवाना अधिक पसंद करेंगे लेकिन मान सम्मान एवं श्रद्धा का भाव माता पिता के प्रति समान रूप में रहेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके बच्चे आशातीत उन्नति करेंगे तथा अच्छे अंको से अपनी परिक्षाओं को उत्तीर्ण करके उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे। वे उच्च पदों पर भी नियुक्त हो सकते है। इसके वे स्वभाव से विनम्र एवं व्यवहार कुशल होंगी तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे जिससे आपके सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने बच्चों पर आपको गौरव होगा तथा वे भी वृद्धावस्था में आपकी श्द्धा पूर्वक सेवा करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। अतः आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी।

Boy

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है तथा केतु भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है। सामान्यतया कन्या राशि की सप्तम भाव में स्थिति से जातक का सहयोगी प्रिय वक्ता स्वच्छता प्रिय सौभाग्यवान एवं विविध कार्यो में चतुर होता है केतु के प्रभाव से उसमें उग्रता तेजस्विता साहस एवं पराक्रम का भाव रहता है लेकिन कर्तव्यों के प्रति उसमें उपेक्षा की भावना रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी तेजस्वी स्वभाव की महिला होंगी। सांसारिक कार्यो को वह परिश्रम एवं पराक्रम से सम्पन्न करेंगी तथा उनके साहसिक कार्यो से अन्य लोग भी प्रभावित होंगे। स्वच्छता के प्रति वे विशेष ध्यान देंगी तथा उज्जवल वस्त्रों को धारण करेंगी। अपनी बोलचाल में यत्नपूर्वक मधुर शब्दों का उपयोग करेंगी। लेकिन केतु के प्रभाव से वह अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करेंगी तथा परिवार तथा समाज के प्रति कर्तव्यों का पालन नहीं करेंगी जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आएगी।

आपकी पत्नी लालिमा युक्त गौरवर्ण की सुंदर महिला होंगी तथा उनका कद भी उन्नत होगा। शारीरिक संरचना उनकी पतली होगी परन्तु अन्य अंगों में पुष्टता तथा सुडौलता विद्यमान होगी जिससे उनके सौन्दर्य में वृद्धि होगी एवं व्यक्तित्व भी आकर्षक लगेगा। इसके अतिरिक्त संगीत एवं कला आदि में भी रूचि होगी तथा पाश्चात्य साहित्य का भी अनुकरण करेंगी।

सप्तम भाव में केतु के प्रभाव से आपके विवाह में विलम्ब होगा तथा विवाह पूर्व वार्ताओं में भी गतिरोध उत्पन्न होंगे। आपका विवाह विज्ञापन के माध्यम से होगा तथा प्रेम विवाह की भी संभावना रहेगी। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्य सुखी रहेगा तथा आपस में प्रेम एवं आकर्षण बना रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को आपसी सहयोग एवं सहमति से सम्पन्न करेंगे। लेकिन पत्नी की तेजस्वी प्रवृति से यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी जिससे संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा। अतः ऐसे समय पर संयम से कार्य लेना चाहिए।

आपका विवाह साधारण परिवार में होगा एवं सामाजिक तथा आर्थिक रूप से वे सामान्य रहेंगे। विवाह के बाद सास ससुर से आपके अच्छे संबंध कम ही होंगे तथा एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं स्नेह की भाव की उपेक्षा रहेगी। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण कार्यो एवं अवसरों पर एक दूसरे से सलाह सहमति या आवगमन भी कम ही होगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा भाव नहीं होगा तथा उनकी वह यथोचित सेवा नहीं करेंगी। देवर एवं ननद भी उनसे सन्तुष्ट नहीं रहेंगे तथा उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग कम ही प्रदान करेंगे।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः साझेदारी के कार्यो की जीवन में यत्नपूर्वक उपेक्षा ही करनी चाहिए।

Girl

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया धनु राशि की सप्तम भाव में स्थिति के कारण जातक का सहयोगी पुष्ट शरीर वाला बुद्धिमान एवं कार्य कुशल होता है। तथा उसमें विद्वता कलाप्रियता एवं सहिष्णुता का भाव भी रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति बुद्धिमान विद्वान एवं सुशील स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा कला के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो में वह निपुण होंगे तथा कुशलता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी उनके मन में श्रद्धा होगी तथा सहिष्णुता के भाव से भी युक्त होंगे। इसके अतिरिक्त वह एक कर्तव्य परायण व्यक्ति होंगे एवं समाज तथा परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

आपके पति गौरवर्ण के आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका कद भी सामान्य होगा। शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं बलवान होंगे। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं कला के प्रति समर्पण की भावना रहेगी। उनके शरीर में अग्नि तत्व राशि के प्रभाव से पतलापन रहेगा जिससे व्यक्तित्व आकर्षक बना रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह सम्पन्न करेंगी। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं समर्पण का भाव होगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को एक दूसरे की सलाह एवं सहमति से पूरा करेंगे। आप दोनों सहनशील स्वभाव के होंगे अतः एक ही प्रवृति होने के कारण आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनंद उठाएंगे।

आपका ससुराल किसी धनाढ्य एवं सम्मानित परिवार से होगा फलतः विवाह के समय आपको मायके से प्रचुर मात्रा में धन सम्पति की प्राप्ति होगी। सास ससुर से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनको वांछित सम्मान प्रदान करेंगी। वे भी आपको पुत्रीवत स्नेह देंगे तथा महत्वपूर्ण मामलों में सलाह या सहमति का भी आदान प्रदान होगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति की सेवा एवं सम्मान की भावना होगी तथा श्रद्धा पूर्वक उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे एवं अपनी और से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे साथ ही साले एवं सालियों को भी अपने सद्व्यवहार एवं मृदुवाणी से प्रसन्न रखेंगे तथा वे भी उनको वांछित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा इससे आपको वांछित लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Boy

आपके जन्म समय में दशमभाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है धनु राशि अग्नितत्व राशि है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान के साथ साथ श्रमसाध्य भी होगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। साथ ही परिश्रमी स्वभाव होने के साथ आप किसी स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय में अच्छी सफलता प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र लिपिकीय कार्य, लेखाकार, लेखन, साहित्य, चित्रकारी, जिल्दसाजी, शिक्षक, ज्योतषी, पुस्तक विक्रेता सम्पादक, संशोधक, अनुवादक, संदेश वाहक तथा टेलिफोन आपरेटर आदि कार्य शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको उन्नति मार्ग सदैव प्रशस्त होंगे तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का आपको सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आपको अपनी चहुँमुखी उन्नति एवं उज्जवल भविष्य के लिए उपरोक्त विभागों में ही अपनी अजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए एजैंसी, दलाली, पुस्तक विक्रेता या प्रकाशन कार्य, अगरबत्ती, पुष्पमालाएं, कागज के खिलौने,आदि से इच्छित लाभ एवं धन अर्जित होगा। साथ ही चित्रकारी, कला आदि के स्वतंत्र व्यवसाय से भी आप लाभ एवं उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। अतः आप व्यापार करने के इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही आपको अपने कार्य का प्रारम्भ करना चाहिए जिससे बिना किसी बाधा के आप उन्नति कर सकेगे।

जीवन में आपको मानसम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा अपनी बुद्धिमता एवं बिद्वता से आप किसी सामाजिक पद को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे। समाज में आप आदरणीय एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि होगी। आप किसी सामाजिक, सांस्कृतिक या धार्मिक संस्था में सम्मानित पदाधिकारी या सदस्य भी हो सकते हैं जिससे आपके सम्मान एवं प्रभाव में वृद्धि होगी तथा जीवन में अर्जित उपलब्धियों से आप सन्तुष्ट होंगे।

आपके पिता बुद्धिमान विद्वान एवं मृदुस्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा समाज में उनका पूर्ण प्रभाव होगा। आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य का भाव होगा तथा उच्चशिक्षा का वे यथोचित प्रबंध करेंगे तथा आपको एक योग्य व्यक्ति के रूप में देखना चाहेंगे। आपको कार्यक्षेत्र की प्रारभिक उन्नति एवं सफलता में उनका प्रमुख योगदान होगा। साथ ही आप भी योग्य एवं परिश्रमी व्यक्ति होंगे तथा अपने पराक्रम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे तथा पिता के सम्मान में वृद्धि करेंगे। आपके आपसी संबंधो में भी मधुरता होगी तथाा वैचारिक एवं सैद्धांतिक समानता बनी रहेगी इसके अतिरिक्त आप में आज्ञाकारिकता का भाव भी होगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आपसी सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

Girl

आपकी जन्म कुंडली में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है मीन राशि जलतत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्य बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा श्रम की इसमें अल्पता रहेगी। इसके अतिरिक्त आप समय समय पर कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की भी इच्छुक हो सकती है लेकिन ये परिवर्तन वर्तमान एवं भविष्य के लिए लाभदायक ही होंगे।

आजीविका की दृष्टि से आप शिक्षक या व्याख्याता, धर्मोपदेशक, प्रोफेसर, वकील, न्यायधीश, बैंक अधिकारी, शेयर ब्रोकर तथा सरकारी विभाग में सचिव सलाहकार या प्रशासनिक पद पर कार्य कर सकती है। अतः यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करें तो इनमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा भविष्य में भी आप किसी उच्चपद या अधिकार को अर्जित करने में सफल होंगी। अतः आपको इन्हीं क्षेत्रों में यत्नपूर्वक अपनी आजीविका प्रारंभ करनी चाहिए। इससे आपकी मानसिक सन्तुष्टि बनी रहेगी।

व्यापारिक क्षेत्र में भी बृहस्पति की स्वगृही दशम स्थिति से आप वांछित उन्नति प्राप्त करने में समर्थ हो सकती है। आप सुवर्ण आदि का व्यापार, शेयर का क्रय विक्रय, वित्त कम्पनियों में पूंजी निवेश आदि से वांछित लाभ की प्राप्ति कर सकती है। साथ ही सरकारी टेन्डरो या सरकार से संबंधित कार्यो से भी आप प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगी। अतः यदि आप व्यापार के इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार का शुभारंभ करना चाहिए।

जीवन में आपको उच्च मान सम्मान तथा पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश सर्वत्र व्याप्त होगा। साथ ही आप धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था में भी किसी उच्च पद को प्राप्त कर सकती है। बृहस्पति की केंद्र भाव की यह स्थिति आपके लिए अत्याधिक शुभफलदायक होगी। अतः आपको ईमानदारी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यक्षेत्र में तत्पर रहना चाहिए।

आपके पिता विद्वान शिक्षित बुद्धिमान एवं मधुर स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा फलतः सभी लोग उनसे प्रभावित होंगे तथा उन्हें उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका विशेष स्नेह एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी शिक्षा दीक्षा का वे उच्चस्तर पर प्रबंध करके आपको प्रभावशाली व्यक्ति बनाने में पूर्ण रूप से तत्पर होंगे। उनके प्रभाव से आप कार्यक्षेत्र में विशिष्ट सफलता प्राप्त करेंगी तथा यश की भी प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी उनकी अभिलाषाओं को पूर्ण करने में समर्थ होंगी। आप दोनों के परस्पर मधुर संबंध रहेंगे तथा आपस में उचित सामंजस्य रहेगा जिससे किसी भी प्रकार की मत वैभिन्यता नहीं रहेगी तथा जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2018

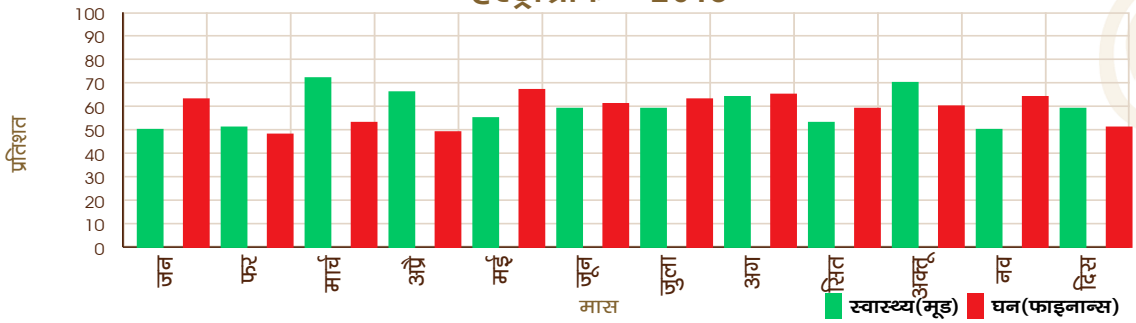

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2018

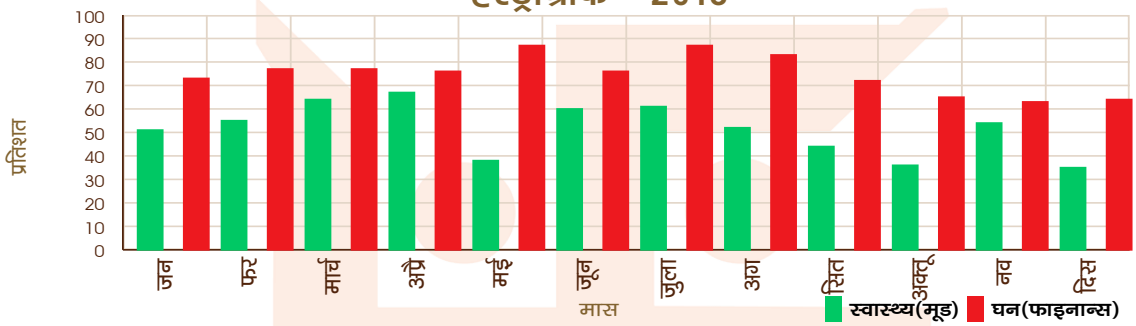

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2019

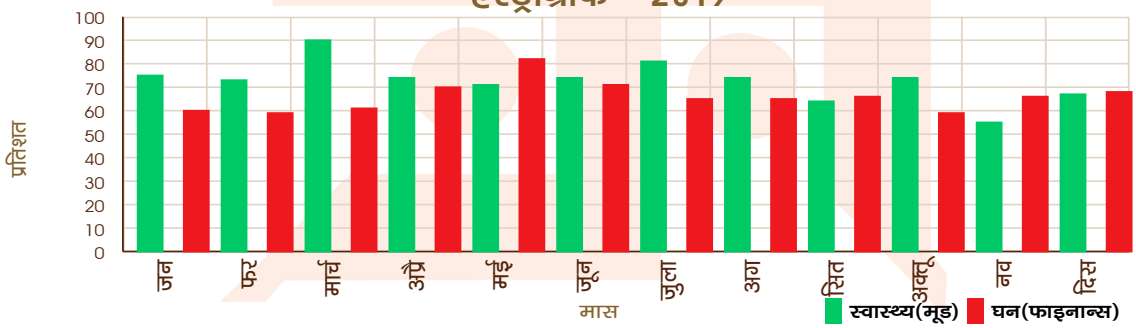

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2019

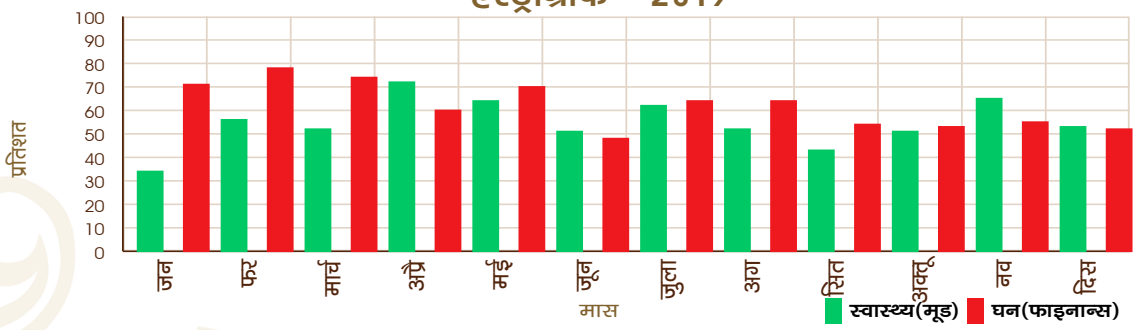

Boy

एस्ट्रोग्राफ - 2020

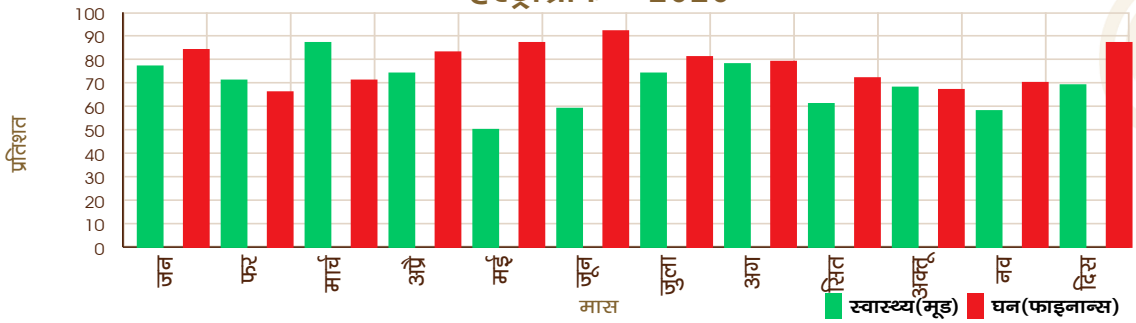

Girl

एस्ट्रोग्राफ - 2020

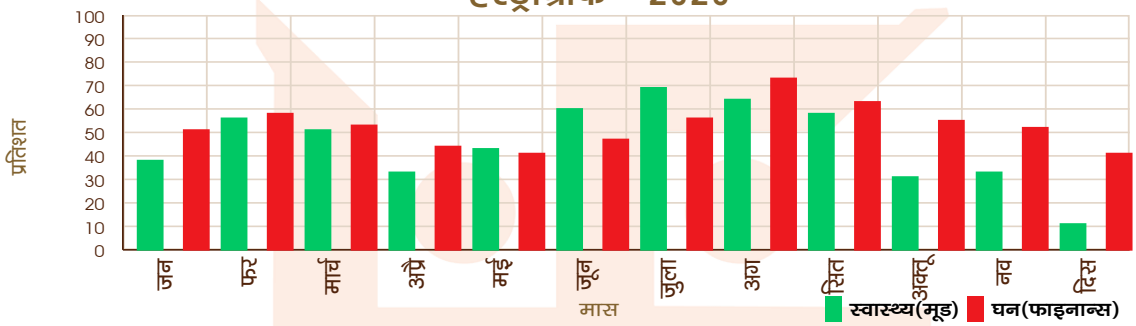

Boy

एस्ट्रोग्राफ - 2021

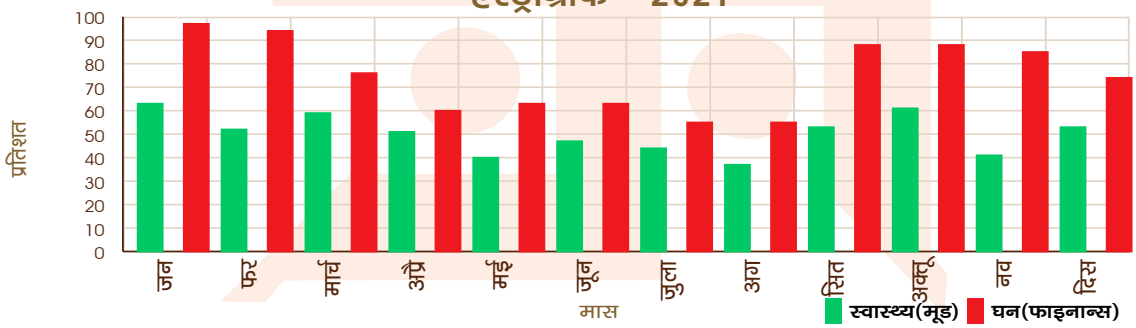

Girl

एस्ट्रोग्राफ - 2021

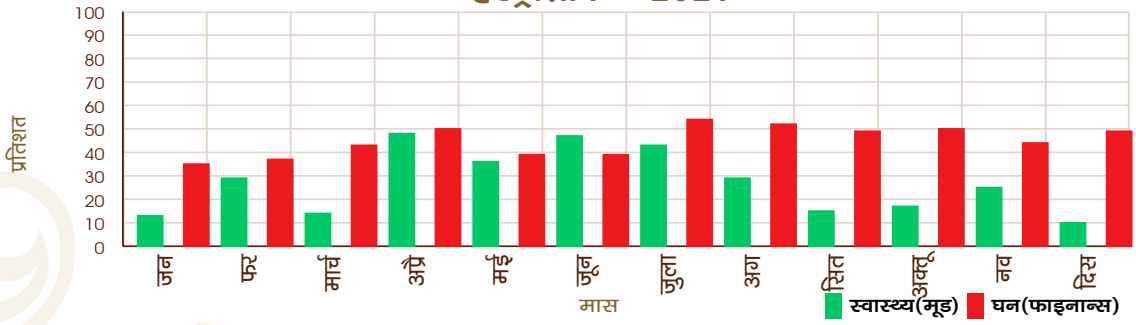

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2022

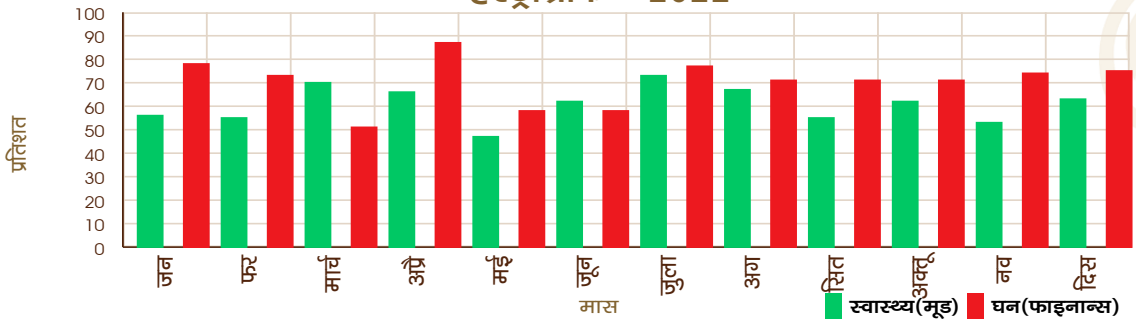

Girl

एस्ट्रोग्राफ – 2022

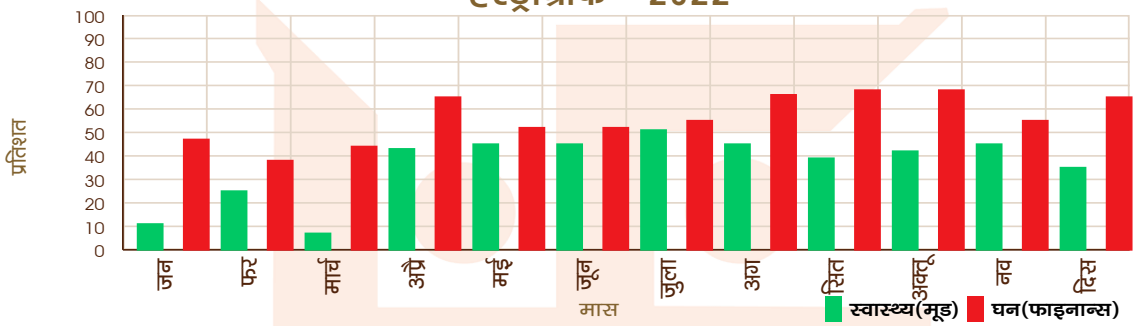

Boy

एस्ट्रोग्राफ – 2023

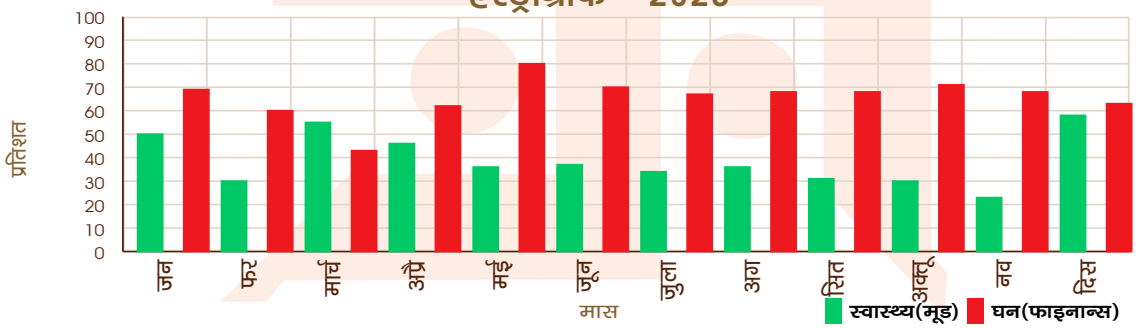

Girl
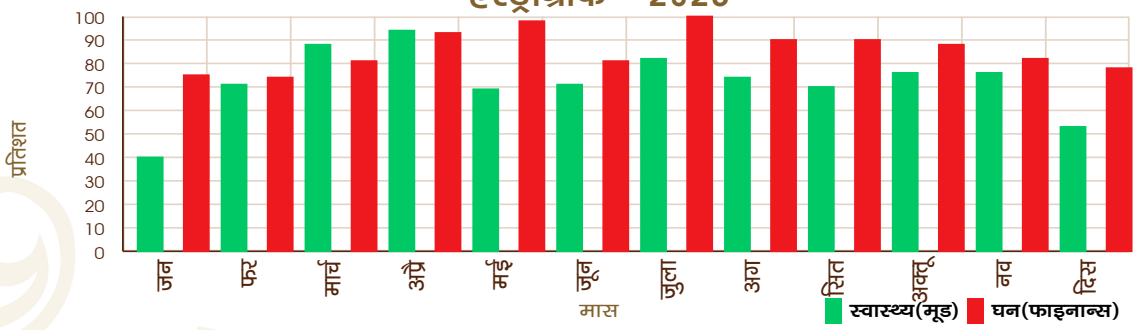
एस्ट्रोग्राफ – 2023